RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

INDORE 15 FEBRUARY TO 21 FEBRUARY 2023 प्रति बुधवार वर्ष 08 अंक 22 पृष्ठ 8 कीमत 5 रु.

Inside News

फिर घटा विदेशी मुद्रा भंडार, तब भी पाकिस्तान से कोसों आगे Page 2

12 शहरों में लगेगी क्यूआर कोड वाली कॉइन वेंडिंग मशीन Page 3

SBI ने ग्राहकों को दिया बड़ा तोहफा FD पर अब मिलेगा ज्यादा ब्याज Page 4

editoria!

लोकल फॉर ग्लोबल

बेंगलुरु में शुरू हुए पांच दिवसीय एयरो शो-एयरो इंडिया 2023 का उद्घाटन करते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा कि इस आयोजन में दुनिया भर के डिफेंस सेक्टर से जुड़े लोगों की दिलचस्पी जिस तरह से बढ़ रही है, वह बहुत अच्छा संकेत है। इस बार भी 100 से ज्यादा देशों ने इसमें अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। देश-विदेश के 700 से ज्यादा एग्जिबिटर्स इसमें हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे आयोजनों की सार्थकता इस मायने में है कि इसमें इंडस्ट्री के अलग-अलग पक्षों से वास्ता रखने वाले लोग मिलते हैं। एक-दूसरे की जरूरतों और अपेक्षाओं से परिचित होते हैं और फिर उसे पूरा करते हुए औद्योगिक संभावनाओं का विस्तार करते हैं। इसी संदर्भ में यह बात गौर करने लायक है कि रक्षा निर्यात क्षेत्र में अपेक्षाकृत नई एंट्री होने के बावजूद भारत ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़त बनाई है। उसका इरादा जल्द से जल्द अपनी रक्षा जरूरतों के लिहाज से आत्मनिर्भरता की स्थिति में पहुंचने का तो है ही, अन्य देशों की जरूरतें पूरी करते हुए प्रमुख निर्यातक देश बनना भी है। पिछले कुछ वर्षों का रेकॉर्ड इस दिशा में हुई प्रगति की पुष्टि भी करता है। 2017 में देश का जो डिफेंस एक्सपोर्ट मात्र 1520 करोड़ रुपये पर था, वह 2021-22 में 14000 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। ऐसे में अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2024-25 तक 5 अरब डॉलर यानी 41,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंचाने का जो महत्वाकांक्षी लक्ष्य दिया है, वह अपने आप में खासा आकर्षक है। लेकिन इस संबंध में कुछ बातों पर ध्यान देने की भी जरूरत है। आज की तारीख में हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट खासतौर पर निचली और मध्यम स्तर की तकनीक से जुड़ी चीजों जैसे पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट, ऑफशोर पेट्रोल वेसेल, कोस्टल सर्वेलांस सिस्टम्स, रडार के कलपुर्जों, हेलिकॉप्टर आदि तक सीमित है। दूसरी बात, LCA जैसे अडवांस्ड प्लैटफॉर्म के उत्पादन की धीमी रफ्तार भी निर्यात की तेज बढ़ोतरी की राह में बाधा बनी हुई है। तीसरी बात यह कि दुनिया में युद्ध के तौर-तरीके तेजी से बदल रहे हैं। यूक्रेन युद्ध ने इन प्रवृत्तियों की पुष्टि की है। जहां एक तरफ मिसाइलों और मानवरहित ड्रोनों के इस्तेमाल पर जोर बढ़ते जाने की बात है वहीं वायु सेना और नौसेना के असेट्स के इस्तेमाल में तालमेल बढ़ाने की जरूरत भी रेखांकित की जा रही है। भारत को न केवल अपने सामरिक हितों की रक्षा के मद्देनजर इन पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि निर्यात संभावनाओं का पूरा-पूरा इस्तेमाल करने के लिहाज से भी यह जरूरी होगा। आखिरी बात यह कि प्रधानमंत्री की ओर से रखे गए इस मुश्किल लक्ष्य को सचमुच हासिल करना है तो डिफेंस इंडस्ट्रीज के विभिन्न हिस्सों, खासकर सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और ऐकडेमिक जगत- तीनों को आपस में बेहतर तालमेल सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़ना होगा।

घट सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम, सरकार कर रही यह प्लानिंग

नई दिल्ली। एजेंसी

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद है। भारत सरकार कुछ उत्पादों पर टैक्स घटा सकती है। खुदरा महंगाई को कम करने में मदद की आरबीआई की सिफारिश पर सरकार यह फैसला ले सकती है। सरकार मक्का और फ्यूल पर टैक्स को घटा सकती है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। हालांकि, कोई भी फैसला फरवरी महीने के महंगाई के आंकड़े सामने आने के बाद ही लिया जाएगा। जनवरी 2023 में भारत की सालाना खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.52 फीसदी रही है। यह दिसंबर 2022 में 5.72 फीसदी थी।

बढ़ सकते हैं खाने की चीजों के दाम

इस मामले के बारे में जानकारी रखने वाले एक सीनियर सोर्स ने कहा, 'फूड इन्फ्लेशन उच्च रह सकती है। दूध, मक्का और सोयाबीन ऑयल की

कीमतें आने वाले समय में महंगाई की चिंता बढ़ा सकती हैं।' सोर्स ने कहा, 'सरकार मक्का जैसे उत्पादों पर आयात शुल्क को घटाने की तरफ देख रही है। इस पर 60 फीसदी बेसिक ड्यूटी है।' वित्त मंत्रालय और आरबीआई ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

फ्यूल पर भी घट सकता है टैक्स

फ्यूल पर टैक्स को भी फिर से घटाया जा सकता है। क्रूड ऑयल की वैश्विक कीमतें पिछले महीनों में घटी हैं और अब स्थिर बनी हुई हैं। बुधवार दोपहर ब्रेंड ऑयल फ्यूचर्स गिरावट के साथ 84.32 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड करता दिखाई दिया। फ्यूल कंपनियों ने घटी हुई आयात कीमतों का फायदा अभी तक ग्राहकों को नहीं दिया है या कंपनियां अभी तक अपने पुराने घाटे की भरपाई में लगी हुई थीं।

जरूरत का दो-तिहाई तेल आयात करता है भारत

भारत अपनी तेल जरूरत का दो-तिहाई से अधिक आयात करता है। केंद्र सरकार द्वारा टैक्स में कटौती से पंप ऑपरेटर्स पर रिटेल ग्राहकों के लिए कीमतें घटाने का दबाव बनेगा। इससे महंगाई को घटाने में मदद मिलेगी।

रूस से सस्ता तेल खरीदने का 'UAE' प्लान

भारतीय कंपनियों ने खोजा गजब तरीका

नई दिल्ली। एजेंसी

यूक्रेन पर हमले के बाद रूस का तेल निर्यात रोकने के लिए पश्चिमी देशों ने कई तरह के प्रतिबंध लगाए। लेकिन भारत ने इसके कई रास्ते निकाल लिए। रुपी-रूबल ट्रेड को एक नया आयाम मिला। भारत किसी से नहीं डरा और इसने रूस से जमकर कच्चा तेल खरीदा। अब रूसी तेल खरीदने के लिए भारतीय कंपनियों ने एक नया रास्ता निकाला है। यह संयुक्त अरब अमीरात से होकर जाता है। यानी वहां की करेंसी दिरहम यूज होती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज , बीपीसीएल (BPCL) और नायरा एनर्जी (Nayara Energy) रूसी तेल खरीदने के लिए दिरहम का उपयोग कर रही हैं। इस तरह वे पश्चिमी प्रतिबंधों से बच रही हैं। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार खरीदारों ने कुछ लेनदन इस करेंसी में किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार स्पेसिफिक ट्रेडर्स की मांग के आधार पर पेमेंट्स कार्गो टू कार्गो बदल रहा है। हालांकि, रिलायंस, बीपीसीएल और नायरा ने इस पर तक्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

भारत का टॉप क्रूड सप्लायर है रूस

रूस से तेल आयात पर यूरोपीयन यूनियन के प्रतिबंधों के बाद भारत रूस के लिए कच्चे तेल का एक बड़ा ग्राहक बना हुआ है। रूस जून से भारत का टॉप क्रूड सप्लायर है। जो कार्गो पहले यूरोप जाते थे, वे अब एशिया की तरफ आ रहे हैं। यह तेल 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बेचा गया। वंदा इनसाइट्स की फाउंडर वंदना हरि ने कहा, 'भारत शायद रूस से दिरहम में भुगतान की पेशकश करने के अनुरोध को स्वीकार करने के लिए तैयार है, कच्चे तेल पर सौदेबाजी की कीमतों पर विचार कर रहा है।'

भारत यूएई का दूसरा बड़ा ट्रेड पार्टनर

यूएई दिरहम भारतीय खरीदारों और रूसी सेलर्स को ग्रीनबैक के संभावित

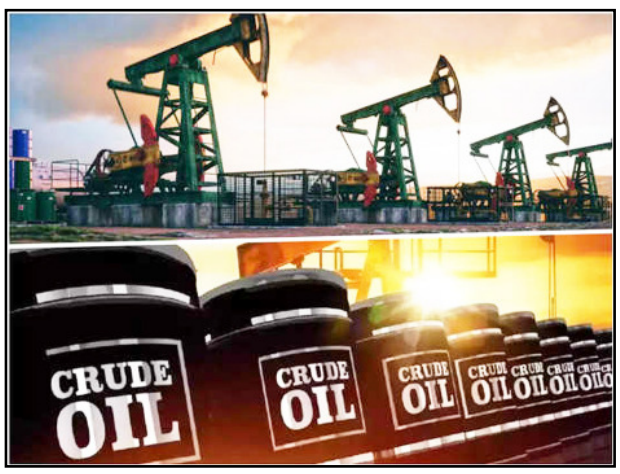

प्रतिबंधों की जटिलताओं के बिना अपेक्षाकृत अनुमानित करेंसी प्रदान करता है। भारत यूएई का दूसरा बड़ा ट्रेड पार्टनर है। अधिकारी दिरहम और रुपये के बीच व्यापार बढ़ाने के मैकेनिज्म पर काम कर रहे हैं।

अधिकतर डील्स अभी भी डॉलर में

अधिकतर ऑयल डील्स अभी भी डॉलर में की जाती हैं। भारत के तेल मंत्री ने कहा कि उन्हें तेल खरीद में दिरहम के इस्तेमाल की जानकारी नहीं थी। हरदीप सिंह पुरी ने बेंगलुरु में एक इंटरव्यू में कहा, 'यदि आप मुझसे आधिकारिक तौर पर पूछ रहे हैं कि क्या मैं इन भुगतान चैनलों के बारे में जानता हूं तो नहीं, मैं नहीं जानता हूं। अगर जरूरत पड़ी तो हम बात करेंगे।'

फिर घटा विदेशी मुद्रा भंडार, तब भी पाकिस्तान से कोसों आगे

नई दिल्ली। एजेंसी

विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर अच्छी खबर नहीं है। अपने विदेशी मुद्रा भंडार में फिर कमी आई है। तीन फरवरी 2023 को समाप्त सप्ताह के दौरान यह 1.494 अरब डॉलर घटकर 575.267 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले लगातार तीन सप्ताह तक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई थी। इससे पहले के सप्ताह में अपना विदेशी मुद्रा भंडार 3.03 अरब डॉलर बढ़कर 576.76 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से सामने आई है।

अक्टूबर 2021 में था यह रिकार्ड हाई

विदेशी मुद्रा भंडार के लिहाज से अक्टूबर 2021 सबसे अच्छा महीना था। उस महीने अपना विदेशी मुद्रा भंडार (Foreign Exchange Reserve) शानदार तरीके से बढ़ कर 645 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। हालांकि, उसी समय डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में लगातार कमी हो रही थी। इसलिए रिजर्व बैंक को रुपये की कीमत संभालने के लिए भारी मात्रा में डॉलर बाजार में बेचना पड़ा था। इससे अपने विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ा।

फॉरेन करेंसी एसेट्स में भी हुई कमी

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अपना फॉरेन करेंसी असेट (Foreign Currency Asset) भी घटा है। कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट (FCA) एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। बीते तीन फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह 1.323 अरब डॉलर घटकर 507.695 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में भी कमी

इस दौरान देश के सोने के भंडार के मूल्य में भी कमी हुई है। बीते तीन फरवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान यह 24.6 करोड़ डॉलर घटकर 43.781 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह के दौरान भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार (SDR) में 6.6 करोड डॉलर की बढ़ोतरी हुई। अब यह बढ़ कर 18.544 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (घ्ष्इ) में रखा देश का मुद्रा भंडार भी 90 लाख डॉलर बढ़कर 5.247 अरब डॉलर हो गया है।

पाकिस्तान का क्या है हाल

विदेशी मुद्रा के मोर्चे पर पाकिस्तान की हालत खस्ता है। बीते तीन फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 17 करोड़ डॉलर घटकर 2.91 अरब डॉलर रह गया है। यह पाकिस्तानी इतिहास के पिछले नौ साल में सबसे कम है। इससे वहां विदेशी से जरुरी वस्तु भी मंगाने पर संकट पैदा हो गया है।

नहीं झुका भारत

करोड़ों डॉलर के रूसी हथियार खरीदे, पश्चिमी देशों के अभूतपूर्व दबाव के बावजूद दिए ऑर्डर

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत ने पिछले 5 साल में अपने मित्र देश रूस से 13 सौ करोड़ डॉलर के हथियार खरीदे। सैन्य उपकरणों के लिए 1 हजार करोड़ डॉलर से ज्यादा के ऑर्डर भी दिए हैं। रूसी केंद्रीय सैन्य तकनीकी सहयोग सेवा के प्रमुख दिमित्री शुगायेव ने कहा, भारत पर अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देश अभूतपूर्व दबाव डाल रहे थे, लेकिन वह हमारा मुख्य साझेदारी बना रहा। वहीं एक साल पहले यूक्रेन में शुरू हुए विशेष सैन्य ऑपरेशन के विरोध में पश्चिमी देशों ने उस पर हथियारों समेत कई पाबंदियां लगाईं लेकिन भारत के लिए रूस दुनिया में सबसे बड़ा हथियार निर्यातक देश बना रहा। शुगायेव ने बताया कि इस समय रूस के पास कुल ऑर्डर में से 20% अकेले भारत के हैं। पाबंदियों के बावजूद भारत, चीन और कुछ दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों ने अपने हितों को महत्व दिया और रूस से हथियार खरीदते रहे।

भारत के लिए बना रहा एस-400

इस समय रूस एस-400 का निर्माण भारत के लिए कर रहा है। इस सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली के लिए भारत से मिले ऑर्डर समय पर पूरा करना उसकी प्राथमिकता है। बेंगलूरू में हो रही 14वीं अंतरराष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रदर्शनी में भी रूस 200 तरह के हथियारों व सैन्य उपकरणों को प्रदर्शित कर रहा है। वहीं भारत खरीद के लिए उपयुक्त लड़ाकू विमानों की खोज में है। वह नागरिकों के लिए जेट इंजन विमानों का सौदा भी कर रहा है।

थोक महंगाई दर दो साल के निचले स्तर 4.73 फीसदी

नई दिल्ली। एजेंसी

खाद्य वस्तुएं महंगी होने के बावजूद विनिर्मित वस्तुओं, ईंधन और बिजली की कीमतों में कमी के कारण जनवरी में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति दो साल के निचले स्तर 4.73 प्रतिशत पर आ गई। थोक मूल्य-सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर में गिरावट का यह लगातार आठवां महीना है। दिसंबर 2022 में यह 4.95 फीसदी और पिछले साल जनवरी में 13.68 फीसदी थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को कहा, जनवरी 2023 में मुद्रास्फीति की दर में गिरावट मुख्य रूप से खनिज तेल, रसायन और रासायनिक उत्पाद, कपड़ा, कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, कपड़ा और खाद्य उत्पादों का योगदान है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि मूल्य वृद्धि की दर में गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल आधार प्रभाव के कारण थी, आगे चलकर कमोडिटी की कीमतों में नरमी से थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति को और कम करने में मदद मिलेगी। हालांकि निर्मित वस्तुओं में मुद्रास्फीति नरम हो गई, खाद्य वस्तुओं के मामले में जनवरी में यह बढ़कर 2.38 प्रतिशत हो गई, जो दिसंबर 2022 में (-) 1.25 प्रतिशत थी। दालों में मुद्रास्फीति 2.41 प्रतिशत थी, जबकि सब्जियों में यह (-) 26.48 थी। डेलॉयट इंडिया, अर्थशास्त्री, रुम्की मजुमदार ने कहा कि उच्च आधार प्रभाव और वैश्विक कीमतों में गिरावट से विनिर्माण कीमतों में कमी आई है। मजूमदार ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि निकट भविष्य में उत्पादन लागत स्थिर रहेगी। खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी से मुद्रास्फीति सूचकांक ऊंचा बना हुआ है, जो चिंता का विषय है। उच्च खाद्य कीमतों ने भी उच्च सीपीआई में योगदान दिया है।' बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति अगले दो महीनों में और नीचे की ओर बढ़ने की उम्मीद कर सकती है और मार्च तक 4 प्रतिशत के करीब समाप्त हो सकती है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री सुनील कुमार सिन्हा ने कहा कि उच्च आधार प्रभाव और वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में नरमी के कारण थोक मुद्रास्फीति फरवरी 2023 में 3.7 प्रतिशत तक और कम होने की उम्मीद है।

ग्रीन बांड की खरीदी हुई खत्म, 720.75 करोड़ के आवेदन आए

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

नगर निगम के ग्रीन बांड की खरीदी मंगलवार को बंद हुई। इस दौरान 224 करोड़ के ग्रीन बांड के लिए तीन दिनों में 720.75 करोड़ के आवेदन नगर निगम को मिले हैं। मंगलवार को ग्रीन बांड की खरीदी के आखिरी दिन 20.21 करोड़ के आवेदन मिले हैं। लगातार दूसरे दिन आम निवेशकों ने इंदौर ग्रीन बांड के लिए आवेदन किए। मंगलवार को 11.80 करोड़ रुपए के आवेदन आम निवेशकों ने किए हैं।

नगर निगम ने देश का पहला सौर उर्जा के लिए ग्रीन बांड शुक्रवार को निवेशकों की खरीदी के लिए खोला था। नगर निगम, नर्मदा का पानी इंदौर लाने में लगने वाली बिजली के खर्चे को कम करने के लिए जलूद के पास सोलर प्लांट लगाने की तैयारी कर रही है। 60 मेगावाट की क्षमता के सोलर प्लांट के लिए नगर निगम ने 244 करोड़ के ग्रीन बांड जारी किए हैं। इनकी खरीदी के लिए शुक्रवार को बांड जारी होने के पहले ही दिन 661.52 करोड़ रुपए के आवेदन निगम को मिल गए थे। पहले दिन बांड की खरीदी में संस्थाओं, कॉर्पोरेट्स के साथ ही हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनआई) ने काफी उत्साह दिखाया था। सोमवार को इंदौर ग्रीन बांड में आम निवेशकों का उत्साह नजर आया। वहीं सोमवार को खरीदी के दूसरे दिन आम निवेशकों ने इसके लिए आवेदन किए थे। मंगलवार को बांड खरीदी के आखिरी दिन भी यही स्थिति रही। मंगलवार को बांड के लिए आवेदन करने वालों में आम निवेशकों की संख्या ज्यादा रही। मंगलवार को हुए 20.21 करोड़ के आवेदनों में 11.80 करोड़ रुपए के आवेदन आम निवेशकों के थे। वहीं मंगलवार को भी संस्थाओं ने ग्रीन बांड के लिए कोई आवेदन नहीं किया। जबकि कॉर्पोरेट्स से 2.51 करोड़ के आवेदन आए। वहीं हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल्स (एचएनआई) ने मंगलवार को बांड में निवेश के लिए जरूर आवेदन किए। इस दौरान एचएनआई ने 5.90 करोड़ के आवेदन किए हैं।

1623 आवेदन आए आखिरी दिन

बांड की खरीदी के आखिरी दिन 1623 निवेशकों के आवेदन आए। जिनमें अधिकांश आवेदन आम निवेशकों के हैं। इसके पहले शुक्रवार को बांड जारी होने के पहले ही दिन 4112 आवेदन आए थे। जबकि सोमवार को 3542 आवेदन मिले थे। तीनों दिनों में बांड के लिए आए आवेदनों की संख्या तकरीबन 9277 तक पहुंच गई है।

22 को होगी लिस्टिंग

इन बांड्स की लिस्टिंग 22 फरवरी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बांबे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में लिस्टिंग होगी। लिस्टिंग के साथ ही शेयर बाजार में इनकी खरीद-फरोख्त भी निवेशक कर सकेंगे। इसके पहले अलॉटमेंट कर दिया जाएगा।

12 शहरों में लगेगी क्यूआर कोड वाली कॉइन वेंडिंग मशीन

UPI से पेमेंट कर निकाल सकेंगे सिक्के

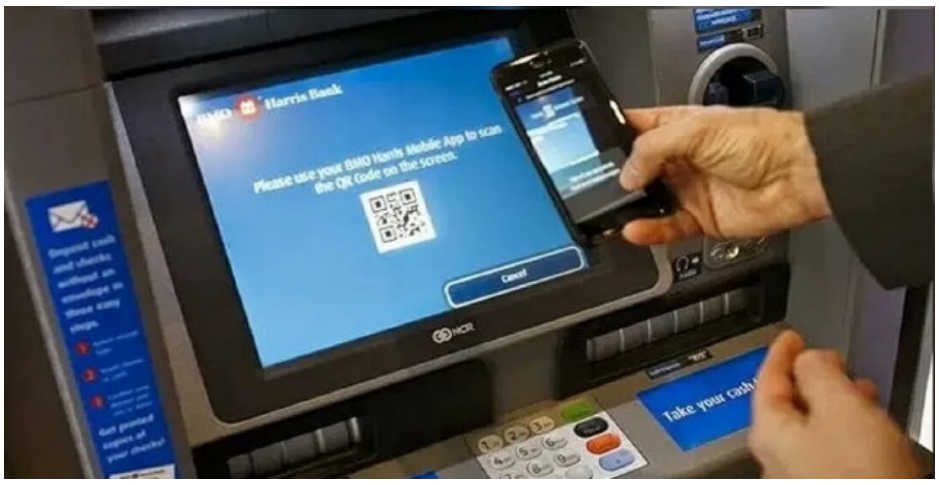

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सिक्का निकालने वाली मशीन में नकली नोट डाले जाने के मामलों को देखते हुए यूपीआई आधारित विकल्प को अपनाने का फैसला किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने बुधवार को यह बात कही। उन्होंने मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद कहा, 'समस्या यह थी कि इन मशीनों में जो रुपये डाले जा रहे थे, कई मामलों में नकली पाये गए। इसीलिए यह मुद्दा बन गया था।' शंकर ने कहा कि इसी को देखते हुए आरबीआई ने विकल्पों पर विचार करना शुरू किया गया। बहुत सारे लोग मोबाइल फोन का उपयोग करते हैं। उसके जरिये क्यूआर कोड 'स्कैन' किया जा सकता है जो यूपीआई से जुड़ा हो सकता है। इसके माध्यम से भौतिक रूप से रुपये का उपयोग किये बिना वेंडिंग मशीन से सिक्के निकाले जा सकते हैं।

सिक्के निकालने की वेंडिंग मशीन

शंकर ने कहा कि मशीन देश में विकसित की गई हैं। इस नई व्यवस्था में सिक्कों के वितरण में सुधार होगा। इससे पहले, दिन में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने 'क्यूआर' कोड आधारित 'कॉइन वेंडिंग मशीन' (ण्न्श्) को लेकर पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने की घोषणा की।

12 शहरों में शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

आरबीआई 12 शहरों में क्यूआर कोड आधारित सिक्का निकालने की मशीन को लेकर पायलट प्रोजेक्ट शुरू करेगा। ये वेंडिंग मशीनें यूपीआई का उपयोग करके बैंक ग्राहकों के खाते से पैसे काटकर सिक्के उपलब्ध कराएंगी। अभी जो मशीनें हैं, उसमें बैंक नोट डालकर सिक्के निकाले जाते हैं। दास ने कहा, 'नकद आधारित परंपरागत कॉइन वेंडिंग मशीन में भौतिक रूप से रुपये डालने और उसके सत्यापन की जरूरत नहीं होगी।' शुरू में पायलट प्रोजेक्ट 12 शहरों के 19 स्थानों पर शुरू करने की योजना है। इन मशीनों को रेलवे स्टेशन, शॉपिंग मॉल्स और बाजारों में लगाया जाएगा।

आरबीआई को आ रही यह अजीब समस्या

शंकर ने कहा कि आरबीआई एक अजीब समस्या से जूझ रहा है। एक तरफ सिक्कों की आपूर्ति बहुत अधिक है और इसको रखने में अधिक जगह की जरूरत होती है। साथ ही यह ठीक से डिलीवर नहीं हो पाता है। इस बीच, डिप्टी गवर्नर राजेश्वर राव ने कहा कि कर्ज पर जुर्माने को लेकर ब्याज के मामले में बैंकों की अलग-अलग नीतियां हैं। इस मामले में पारदर्शिता लाने और ग्राहकों के हितों के संरक्षण को लेकर जुर्माना लगाये जाने के बारे में विभिन्न पक्षों से राय लेने को लेकर दिशानिर्देश का मसौदा जारी किया जाएगा।

ITR फॉर्म हुआ जारी, क्रिप्टोकरेंसी की खरीद-फरोख्त की देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में इनकम टैक्स को लेकर बड़ी राहत दी। उन्होंने नए इनकम टैक्स रिजीम में 7 लाख तक के आय को टैक्स से बाहर कर दिया। वहीं अब इनकम टैक्स विभाग ने वित्त वर्ष 2022-23 और असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए ष्ठ्ठ भरने के लिए एक से छह नंबर तक के फॉर्म को नोटिफाई किया है। Central Board of Direct Taxes CBDT ने 10 फरवरी को एक नोटिफिकेशन के जरिए ITR फॉर्म 1-6, ITR-V वेरीफिकेशन फॉर्म और ITR पावती प्रपत्र को नोटिफाई किया है।

इस बार के ITR फॉर्म में विशेष बात यह है कि वर्चुअल डिजिटल असेट VDA, जिसमें खासतौर से क्रिप्टोकरंसी शामिल हैं, के बारे में अलग से ब्यौरा देना होगा। अब जानकारी देनी होगी कि आपने साल 2022-23 में कितनी क्रिप्टोकरंसी खरीदी या बेची है। उसकी कीमत कितनी थी। उसको बेचने पर आपको कितना कैपिटल गेन हुआ है, उसकी जानकारी देनी होगी।

बजट 2022 में यह घोषणा की गई थी किसी भी वर्चुअल डिजिटल संपत्ति के हस्तांतरण से होने वाली इनकम पर 30 पर्सेंट के रेट से टैक्स लगाया जाता है। इसके अलावा, वर्चुअल डिजिटल असेट को ट्रांसफर करने के संबंध में किए गए किसी भी भुगतान सोर्स पर एक फीसदी टीडीएस देना होगा। एक्सपर्ट का कहना है कि CBDT ने निर्धारण वर्ष 2023-24 2022-23 में हुई आय के लिए के इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म को बहुत जल्दी नोटिफाई कर दिया है। इससे टैक्स पेयर को अपनी इनकम के रिटर्न को तैयार करने में मदद मिलेगी। पिछले साल ऐसे फॉर्म अप्रैल के पहले हफ्ते में नोटिफाई हुए थे। बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम टैक्स पेयर के उपयोग वाले ITR-1 और ITR-4 को पहले से आसान कर दिए गए हैं।

50 लाख रुपये तक की इनकम और सैलरी, एक हाउस प्रॉपर्टी और ब्याज समेत अन्य स्रोत से आय होने पर ITR-1 फॉर्म फाइल करना होता है। अब ण्ॅऊ ने धारा 139 1 के तहत 2.5 लाख रुपये से कम की वार्षिक कर वाली आय पर व्यक्तियों के लिए इसे सरल बनाया गया है। अब ऐसे लोगों को अपने ITR फॉर्म को सूचित करने की जरूरत नहीं है। यह एक करोड़ रुपये से अधिक के FD पर भी लागू रहेगा।

फिर चमगादड़ों ने फैलाई तबाही, सामने आया कोरोना से भी तगड़ा वायरस

WHO ने घबराकर दी चेतावनी

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना महामारी से अब तक दुनिया उबर भी नहीं पाई थी कि एक और वायरस ने दुनिया में दस्तक दे दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसकी पुष्टि भी कर दी है और बताया है कि ये कितना ज्यादा खतरनाक है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस वायरस की चपेट में आने के बाद 88 फीसदी मौत पक्की हो जाती है। इसके अलावा ये इतना ज्यादा संक्रामक है कि मरीज़ को क्वारंटाइन करना बेहद ज़रूरी हो जाता है। कोरोना वायरस की तबाही पूरी दुनिया ने झेली है। अब उससे भी ज्यादा खतरनाक और संक्रामक वायरस पूरी दुनिया को डरा रहा है। खुद विश्व स्वास्थ्य संगठन के होश भी इस वायरस ने उड़ा रखे हैं। WHO ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है क्योंकि वायरस (MaRurg Virus) 9 लोगों को मौत की नींद सुला चुका है। अफ्रीका में ये वायरस फिलहाल गिनी में पाया गया है, जो लोगों को तेज़ी से प्रभावित कर रहा है।

चमगादड़ों से पैदा हुआ मारबर्ग वायरस

इस वायरस का नाम मारबर्ग है और इसके लक्षण काफी कुछ इबोला वायरस से मिलते-जुलते हैं। पहले भी अफ्रीका में इबोला वायरस की उत्पत्ति चमगादड़ों के ज़रिये हुई थी और एक बार फिर से चमगादड़ों से ही मारबर्ग वायरस का जन्म हुआ है। ये इतना ज्यादा संक्रामक है कि वायरस के शिकार व्यक्ति के नजदीकी संपर्क में आते ही ये फैल जाता है। इसके लक्षणों में दस्त, तेज़ बुखार, खून की उल्टी, सिरदर्द शामिल है। इसका सबसे खतरनाक लक्षण मल, नाक-मसूढ़ों के ज़रिये निकलने वाला ब्लड है। यही ब्लीडिंग मरीज़ को मौत के मुहाने तक पहुंचाती है।

एलोन मस्क ने पिछले साल टेस्ला के 1.95 बिलियन डॉलर के शेयर दान किए

एजेंसी

एलोन मस्क दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं, और यह कोई रहस्य नहीं है कि उनकी अधिकांश संपत्ति टेस्ला में उनके शेयरों में बंधी है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, अरबपति ने पिछले साल 1.95 बिलियन डॉलर के टेस्ला शेयर (195 करोड़ रुपये) दान किए, यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के साथ फाइलिंग में दिखाया गया। हालाँकि फाइलिंग में यह विवरण नहीं दिया गया था कि ये दान किसने प्राप्त किए, रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क ने अगस्त और दिसंबर 2022 के बीच लगभग 11.6 मिलियन शेयर दान किए।

मस्क को टेस्ला स्टॉक डोनेशन से फायदा हो सकता है रॉयटर्स की रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि टेस्ला स्टॉक को दान में देने से मस्क को कैसे फायदा होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि दान में दिए गए शेयर पूंजीगत लाभ कर को आकर्षित नहीं करते हैं, जो कि इन शेयरों को बेचने पर भुगतान करना होगा। मस्क ने अपने शुरुआती दिनों में कंपनी में निवेश किया था और टेस्ला के लगभग 13 प्रतिशत के मालिक थे।

पिछले साल मस्क ने 44 अरब डॉलर मूल्य के अत्यधिक प्रचारित सौदे में ट्विटर को भी खरीदा था। ट्विटर डील पूरी होने के बाद मस्क ने टेस्ला के अपने कई शेयर बेच दिए। मस्क ने अप्रैल और अगस्त 2022 में संयुक्त रूप से 15.4 बिलियन डॉलर के टेस्ला शेयर बेचे। उस समय, उन्होंने कहा, 'कोई अतिरिक्त बिक्री की योजना नहीं है।' हालाँकि, नवंबर 2022 में, मस्क ने लगभग 4 बिलियन डॉलर मूल्य के 19.5 मिलियन टेस्ला शेयर बेचे। रॉयटर्स के एक ट्वीट में कहा गया है, 'अरबपति उद्यमी और ट्विटर के नए मालिक एलोन मस्क 19.5 मिलियन टेस्ला शेयर बेचते हैं, एक एसईसी फाइलिंग दिखाता है।'

इस बीच, टेस्ला के शेयरों में 2022 में गिरावट शुरू हुई और उसी वर्ष उनकी सबसे महत्वपूर्ण वार्षिक गिरावट आई। ऐसे अशांत समय में, मस्क ने कथित तौर पर सभी टेस्ला कर्मचारियों को ईमेल किया और कहा कि उन्हें 'स्टॉक मार्केट पागलपन' के बारे में चिंता न करें। मस्क को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से मान्यता मिली कस्तूरी के व्यक्तिगत भाग्य का नुकसान भी रिकॉर्ड तोड़ था। ट्विटर को खरीदने के बाद बिजनेस मुगल की संपत्ति में 200 अरब डॉलर की भारी गिरावट आई है। इस प्रकार, वह इतनी बड़ी रकम गंवाने वाले पहले व्यक्ति बन गए।इसके बाद, मस्क को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा इतिहास में सबसे बड़ी राशि के नुकसान का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के लिए मान्यता दी गई थी। संगठन की एक प्रेस विज्ञप्ति ने इसकी पुष्टि की, जिसमें कहा गया है कि 'एलोन मस्क ने आधिकारिक तौर पर इतिहास में व्यक्तिगत संपत्ति के सबसे बड़े नुकसान का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है।'

2025 तक समुद्री खाद्य निर्यात दोगुना कर 14 अरब डॉलर पर पहुंचाने का है सरकार का लक्ष्य

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार का लक्ष्य 2025 तक समुद्री खाद्य निर्यात दोगुना कर 14 अरब डॉलर पर पहुंचाने का है। इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो' 2023 के उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने यह बात कही। सरकार ने 2025 तक समुद्री खाद्य निर्यात को लगभग दोगुना कर 14 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समुद्री खाद्य निर्यात चालू वित्त वर्ष में मात्रा के स्तर पर तीन प्रतिशत की वृद्धि के साथ सकारात्मक रुझान दिखा रहा है। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2021-22 में समुद्री खाद्य पदार्थों (सीफूड) के निर्यात का आंकड़ा 7.76 अरब डॉलर का था, जो हमारे कृषि निर्यात का 17 प्रतिशत बैठता है। हमारा लक्ष्य 2025 तक 14 अरब डॉलर के समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात का लक्ष्य हासिल करने का है। वह यहां 'इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो' 2023 के उद्घाटन के मौके पर बोल रही थीं। पटेल ने कहा कि निर्यात के लिए सुरक्षित और टिकाऊ समुद्री खाद्य उत्पादन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी, जिससे 'मेक इन इंडिया' पहल में योगदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम विभिन्न महत्वपूर्ण-निर्यात स्थलों के साथ अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के साथ भी अनुकूल तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। मंत्री ने कहा, भारत, आज दुनिया के लिए सबसे पसंदीदा और बहुत बड़े समुद्री खाद्य स्थलों में से एक बड़ा नाम बन गया है। हम दुनियाभर के लगभग 100 देशों को सुरक्षित समुद्री खाद्य पदार्थों की आपूर्ति कर रहे हैं. मौजूदा समय में भारत शीर्ष पांच सीफूड-निर्यातक देशों में से है। यूरोपीय बाजारों में निर्यात के लिए झींगा मछलियों पर एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग के बारे में उन्होंने कहा, मामले को संबंधित प्राधिकरण के साथ उठाया गया है, और हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही हल हो जाएगा। पटेल ने यह भी कहा कि समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) 2023 की दूसरी छमाही में दिल्ली में जी20 देशों के बीच समुद्री खाद्य के नियमों के सामंजस्य पर एक सम्मेलन आयोजित करेगा।

लोन की किस्त भरने में देरी हुई तो नहीं देना होगा जुर्माना!

नई दिल्ली। एजेंसी

महंगाई को काबू करने के लिए आरबीआई ने रेपो रेट में पिछले एक साल में भारी बढ़ोतरी की है। केंद्रीय बैंक ने लगातार छह बार रेपो रेट बढ़ाया है। पिछले साल अप्रैल में यह चार फीसदी था जो अब बढ़कर 6.5 फीसदी पहुंच गया है। इस कारण बैंकों ने भी ब्याज दरों में भारी बढ़ोतरी की है। इससे लोगों की किस्त काफी बढ़ गई है और उनका बजट बुरी तरह गड़बड़ा गया है। वे समय पर भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। देरी से किस्त के भुगतान पर कई बैंक जुर्माना वसूलते हैं। अमूमन बैंक लेट फीस के तौर पर EMI का एक से दो फीसदी पेनल्टी वसूलते हैं। लेकिन कर्जदारों को जल्दी ही इस जुर्माने से राहत मिल सकती है। आरबीआई का कहना है कि बैंकों को इस तरह के जुर्माने के बारे में अलग से पूरी डिटेल देनी होगी। किस्त भुगतान में देरी पर जो जुर्माना वसूला जाएगा, वह एकदम अलग होगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोन की किस्त में भुगतान में देरी पर लगाने वाली पेनल्टी पारदर्शी तरीके से वसूल की जाएगी। आरबीआई ने आठ फरवरी को मॉनीटरी पॉलिसी की बैठक के बाद कहा था कि इस बारे में जल्दी ही एक ड्राफ्ट गाइडलाइन जारी की जाएगी। इस पर सभी स्टेकहोल्डर्स से प्रतिक्रिया मांगी जाएगी। कोई भी जुर्माना पीनल इंटरेस्ट के रूप में नहीं वसूला जाएगा। अभी लोन किस्त के भुगतान में देरी पर पीनल इंटरेस्ट के रूप में जुर्माना वसूला जाता है। अमूमन यह ईएमआई को एक से दो फीसदी होता है। सभी बैंकों में यह राशि अलग-अलग होती है। इसे लोन की मूल राशि में जोड़ दिया जाता है। इसलिए यह पता नहीं चल पाता है कि लोन की किस्त के भुगतान में देरी पर उनपर कितना जुर्माना लगा है।

कैसे बच सकते हैं इस स्थिति से

जानकारों का कहना है कि पीनल इंटरेस्ट लोन के साइज और प्रकार पर निर्भर करता है। इसका कैलकुलेशन सालाना आधार पर किया जाता है। अगर आपका सालाना पीनल इंटरेस्ट 24 फीसदी और आप 25,000 रुपये की मासिक किस्त का भुगतान करने से चूक गए तो दो फीसदी के हिसाब से 500 रुपये प्रतिमाह होगा। अब बैंकों को अलग से जुर्माना तय करना होगा। किस्त के भुगतान में देरी से आपका सिबिल स्कोर भी प्रभावित होता है। बार-बार भुगतान में देरी से रिकवरी एजेंट्स भी परेशान करने लगते हैं।

अमूमन बैंक कर्जदार को 60 दिन का नोटिस भेजता है। अगर कर्जदार इस दौरान पेमेंट नहीं करता है तो उस कर्ज को एनपीए घोषित कर दिया जाता है। इसके बाद बैंक कर्ज की वसूली के लिए रिकवरी एजेंट्स भेजते हैं। जानकारों का कहना है कि इस स्थिति से बचने के लिए अलर्ट रहने की जरूरत है। अगर आपको आर्थिक परेशानी है तो आप इस बारे में बैंक से संपर्क कर सकते हैं। बैंक आपको तीन से छह महीने की छूट दे सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि आपको छह महीने की सैलरी के बराबर एमरजेंसी फंड रखना चाहिए।

SBI ने ग्राहकों को दिया बड़ा तोहफा FD पर अब मिलेगा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली। एजेंसी

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या एँघ ने चुनिंदा फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वॉइंट्स तक की बढ़ोतरी की है। एसबीआई की वेबसाइट के मुताबिक, एफडी में बढ़ोतरी 5 बेसिस प्वॉइंट्स से लेकर 25 बेसिस प्वॉइंट्स तक की गई है। दो महीने बाद, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया या एँघ ने चुनिंदा फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरों में 25 बेसिस प्वॉइंट्स तक की बढ़ोतरी की है।

एसबीआई की वेबसाइट के मुताबिक, एफडी में बढ़ोतरी 5 बेसिस प्वॉइंट्स से लेकर 25 बेसिस प्वॉइंट्स तक की गई है। बढ़ी हुई एफडी की ब्याज दरें 15 फरवरी 2023 से लागू होंगी। बढ़ी ब्याज दरें 2 करोड़ रुपये तक की फिक्स्ड डिपॉजिट पर उपयुक्त रहेंगी। इससे पहले देश के सबसे बड़े बैंक ने 13 दिसंबर 2022 को चुनिंदा अवधि की एफडी पर 65 बेसिस प्वॉइंट्स तक का इजाफा किया था।

स्पेशल टेन्योर स्कीम को भी किया लॉन्च

एसबीआई ने 400 दिन की एक खास टेन्योर स्कीम को भी पेश किया है, जिसमें 7.10 फीसदी की ब्याज दर मौजूद है। यह ब्याज दर 15 फरवरी 2023 से प्रभावी है। यह स्कीम 31 मार्च 2023 तक लागू रहेगी। बैंक ने 1 साल से लेकर दो साल से कम की मैच्योरिटी वाली डिपॉजिट पर ब्याज दर को 6.75 फीसदी से बढ़ाकर 6.80 फीसदी कर दिया है। यह ब्याज दर आम नागरिकों के लिए है। एसबीआई ने दो साल से लेकर तीन साल से कम अवधि की एफडी पर ब्याज दर को 6.75 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। यानी इसमें 25 बेसिस प्वॉइंट्स तक का इजाफा हुआ है। 3 साल से लेकर 10 साल से कम अवधि वाली एफडी को 6.25 फीसदी से बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया गया है।

किस अवधि पर अब कितना ब्याज?

बैंक ने 1 साल से लेकर दो साल से कम अवधि में मैच्योर होने वाली फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दर को 7.25 फीसदी से बढ़ाकर 7.30 फीसदी कर दिया है। आम नागरिकों के लिए ब्याज दर में 5 बेसिस प्वॉइंट्स की बढ़ोतरी की गई है। एसबीआई ने 2 साल से लेकर तीन साल से कम अवधि की एफडी पर ब्याज दर को 7.25 फीसदी से बढ़ाकर 7.50 फीसदी कर दिया है। यह 25 बेसिस प्वॉइंट्स की बढ़ोतरी है. वहीं, 3 साल से पांच साल से कम अवधि की एफडी पर ब्याज दर को 6.75 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया गया है।

देसी छोड़कर महंगी व्हिस्की पीने लगे भारतीय

60% उछल गया स्कॉच का इम्पोर्ट, फ्रांस को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के लोगों में महंगी शराब पीने का चलन बढ़ रहा है। यही वजह है कि भारत फ्रांस को पछाड़ते हुए ब्रिटेन की स्कॉच व्हिस्की का सबसे बड़ा बाजार बनकर उभरा है। भारत का वर्ष 2022 में ब्रिटेन से स्कॉच व्हिस्की का आयात 60 प्रतिशत बढ़ गया। स्कॉटलैंड की एक प्रमुख इंडस्ट्री बॉडी के आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। भारत ने पिछले साल स्कॉच व्हिस्की की 700 मिलीलीटर वाली 21.9 करोड़ बोतलों का आयात किया, जबकि फ्रांस ने 20.5 करोड़ बोतलों का आयात किया था। भारतीय स्कॉच बाजार ने पिछले दशक में 200 फीसदी से ज्यादा ग्रोथ की है। इसके साथ ही स्कॉच व्हिस्की के आयात के मामले में भारत ने फ्रांस को पीछे छोड़ दिया है।

स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन (SWA) ने शुक्रवार को कहा कि दोहरे अंक में ग्रोथ के बावजूद स्कॉच व्हिस्की की भारत के पूरे व्हिस्की बाजार में सिर्फ दो प्रतिशत हिस्सेदारी है। भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में व्हिस्की का इम्पोर्ट एक अहम मुद्दा है। अभी भारत में स्कॉच व्हिस्की के आयात पर 150 परसेंट टैरिफ लगता है। दोनों देशों के बीच एफटीए डील होने से स्कॉटलैंड की व्हिस्की कंपनियों को काफी फायदा मिल सकता है। SWA की मानें तो अगले पांच साल में उन्हें एक अरब पौंड की अतिरिक्त ग्रोथ मिल सकती है।

व्हिस्की एक्सपोर्ट का रेकॉर्ड

पिछले साल स्कॉच व्हिस्की के निर्यात में काफी बढ़ोतरी देखने को मिली। इस दौरान पूरी दुनिया को 6.2 अरब पौंड की व्हिस्की का निर्यात किया गया जो एक रेकॉर्ड है। पहली बार यह आंकड़ा छह अरब पौंड के पार पहुंचा है। इसमे पिछले साल के मुकाबले 37 फीसदी तेजी आई है। यह ब्रिटेन के सबसे बड़े एक्सपोर्ट्स में से एक है। ब्रिटेन से सबसे ज्यादा अमेरिका को स्कॉच व्हिस्की का निर्यात किया गया। स्कॉटलैंड से अमेरिका को 105.3 करोड़ डॉलर की व्हिस्की एक्सपोर्ट की गई। इस दौरान भारत को 28.2 करोड़ पौंड की व्हिस्की भेजी गई।

जियो बीपी ने भी लॉन्च किया E20 Petrol, जानें कहां मिलेगा

नई दिल्ली। एजेंसी

इंडिया एनर्जी वीक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी सप्ताह ई-20 पेट्रोल की बिक्री की शुरुआत की थी। यह पेट्रोल में 20 परसेंट एथनॉल की ब्लेंडिंग का कार्यक्रम है। हालांकि, उन्होंने इसकी शुरुआत तीनों सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों के लिए की थी। लेकिन बुधवार को प्राइवेट सेक्टर की कंपनी जियो-बीपी ने भी 20 फीसदी एथनॉल मिले पेट्रोल की बिक्री की घोषणा कर दी। जियो-बीपी मुकेश अंबानी की अगुवाई लाली कंपनी रिलायंस और बीपी का ज्वाइंट वेंचर है।

जियो-बीपी के एक अधिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी ने भी ´20 पेट्रोल को मार्केट में लॉन्च कर दिया। जैसा की नाम से ही जाहिर है ´20 पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिक्स किया गया है। 20ङ्ग इथेनॉल मिक्स पेट्रोल बाजार में उतारने वाली जियो-बीपी देश की पहली प्राइवेट कंपनी है। उनका कहना है कि ´20 पेट्रोल अभी जियो-बीपी के बड़े शहरों में स्थित चुनिंदा पेट्रोल पंप्स पर मिलेगा। इनमें मुंबई, दिल्ली जैसे महानगर भी शामिल हैं। उनका कहना है कि जल्द ही यह जियो-बीपी के सभी पंप्स पर उपलब्ध होगा।

सरकार की यह है प्लानिंग

नरेंद्र मोदी सरकार देश के क्रूड ऑयल बिल को कम करने में जुटी है। इसी क्रम में ऊर्जा सुरक्षा, कम कार्बन उत्सर्जन, बेहतर वायु गुणवत्ता, आत्मनिर्भरता, पराली जैसी अवशेषों का उपयोग और किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने पेट्रोल में इथेनॉल मिक्स करने के लिए गाइडलाइन जारी की थी। जियो-बीपी का कहना है कि वह केंद्र सरकार गाइडलान के अनुरूप E20 पेट्रोल की बिक्री शुरु कर दी है।

तेजी से बढ़ रहा है बाजार

भारत में फ्यूल और मोबिलिटी का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 20 वर्षों तक भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला फ्यूल मार्केट होगा। जियो-बीपी का कहना है कि उनके मोबिलिटी स्टेशनों को इसी बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके साथ ही वह सरकार की योजनाओं को भी मूर्त रुप दे रही है।

सैमसंग Galaxy S23 सीरीज़ ने भारत में 24 घंटों में 140,000 प्रिबुकिंग्स का रिकॉर्ड बनाया

इंदौर। भारत के सबसे बड़े कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग की नई लॉन्च की गई Galaxy S23 सीरीज़ ने प्रि-बुकिंग का रिकॉर्ड बनाया है। पहले 24 घंटों में भारत में Galaxy S23 सीरीज़ की 140,000 से ज्यादा यूनिटें प्रि-बुक की गई हैं, जो सैमसंग की फ्लैगशिप डिवाईसेज़ के लिए एक नया रिकॉर्ड है। सैमसंग ने 2 फरवरी को देश के ऑनलाईन एवं ऑफलाईन रिटेल स्टोर्स पर अपनी नई Galaxy S23 सीरीज़ की प्रि-बुकिंग शुरू की थी।

सैमसंग इंडिया के मोबाइल बिजनेस के महाप्रबंधक, अक्षय राव ने कहा, " Galaxy S23 सीरीज़ ने एक पूरी पीढ़ी को पीछे छोड़ दिया है। इसमें सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन प्रस्तुत किए गए हैं, जो पर्यावरण के अपने प्रभाव को भी काफी कम कर देंगे। पहले 24 घंटों में रिकॉर्ड स्तर पर की गई प्रि-बुकिंग Galaxy S23 सीरीज़ की अत्याधुनिक कैमरा क्षमताओं, भविष्य के लिए तैयार मोबाईल गेमिंग अनुभव और ईको-फ्रेंडली सामग्री के लिए भारतीय उपभोक्ताओं के उत्साह को प्रदर्शित करती हैं। नई Galaxy S23 सीरीज़ नोएडा की फैक्ट्री में बनाई जाएगी, जिससे भारत में निर्माण और वृद्धि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है।" Galaxy S23 अल्ट्रा में एडैप्टिव पिक्सल के साथ ऑल-न्यू 200 मेगापिक्सल का सैंसर है, जो बेहतरीन डिटेल्स के साथ इमेज कैप्चर कर सकता है। सुपर क्वाड पिक्सल एएफ के साथ रियर कैमरा लक्ष्य पर 50 प्रतिशत ज्यादा तेजी से फोकस करता है। Galaxy S23 सीरीज़ के फ्रंट कैमरा में ड्युअल पिक्सल ऑटो फोकस टेक्नॉलॉजी के साथ नाईटोग्राफी का फीचर दिया गया है, जो कम रोशनी में भी फ्रंट कैमरा से बेहतरीन इमेज प्राप्त करने में मदद करता है। ड्युअल पिक्सल ऑटो फोकस टेक्नॉलॉजी फ्रंट कैमरा से 60 प्रतिशत ज्यादा तेज फोकस प्रदान करती है। Galaxy S23 सीरीज़ के वीडियो सुपर एचडीआर, बेहतर न्वाईज़ कंट्रोल एलगोरिद्म, और रात में ज्यादा स्मूथ एवं शार्प आउटपुट के लिए दोगुना चौड़े ओआईएस की मदद से ज्यादा सिनेमेटिक बनते हैं। Galaxy S23 में कस्टम डिज़ाईन का स्नैपड्रैगन 8 जनरेशन 2 मोबाईल प्लेटफॉर्म है, जो दुनिया का सबसे तेज मोबाईल ग्राफिक्स प्रदान करता है। Galaxy S23 सीरीज़ में भरोसेमंद गेमिंग के लिए 2.7 गुना ज्यादा बड़ा वेपर कूलिंग चैंबर है। Galaxy S23 सीरीज़ ने मोबाईल गेमिंग का स्तर बहुत ऊँचा कर दिया है। Galaxy S23 सीरीज़ को पर्यावरण के अनुरूप बनाया गया है। Galaxy S23 सीरीज़ बनाने में रिसाईकल्ड सामग्री का उपयोग किया गया है।

जीवन में रहती है कर्ज की समस्या? महाशिवरात्रि पर करें ये खास उपाय

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस साल ये शुभ पर्व 18 फरवरी दिन शनिवार को मनाया जाएगा। इस बार महाशिवरात्रि पर शनि प्रदोष, सर्वार्थ सिद्धि जैसे कई शानदार योग बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। शिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना से जीवन से सभी दुख दूर होते हैं और सभी मनोकामना पूर्ण होती है। शिवपुराण में मानव जीवन की विभिन्न परेशानियों के लिए और उनके कल्याण के लिए कई उपाय बताए गए हैं, । इन उपायों के करने से भगवान शिव की असीम कृपा प्राप्त होती है और समस्या दूर होती है। अगर आपके जीवन में ऋण की समस्या है, हमेशा कर्ज का बोझ रहता है और इससे मुक्ति का उपाय नहीं सूझ रहा, तो हम आपको महाशिवरात्रि के दिन किये जानेवाले कुछ उपाय बताने जा रहे हैं। भोलेनाथ के आशीर्वाद से ना सिर्फ आपको कर्ज से मुक्ति मिलेगी, बल्कि आर्थिक संपन्नता भी आएगी।

कर्ज से मुक्ति के उपाय

■ महाशिवरात्रि के दिन शिव मंदिर में जाकर एक मुट्ठी तिल को घी में डुबो दें। इसके बाद 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का जप करते करते हुए 1100 बार घी में मिले तिल को एक-एक करके शिवलिंग पर अर्पित कर दें। ऐसा करने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।

■ महाशिवरात्रि के साथ शनि प्रदोष व्रत भी है। इस दिन बेलपत्र के पेड़ के नीचे गरीब व ब्राह्मण को खीर खिलाएं। ऐसा करने से धन प्राप्ति के योग बनते हैं और कर्ज से धीरे-धीरे मुक्ति मिल जाती है।

■ महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग का गन्ने के रस से अभिषेक करें। इस अभिषेक से आर्थिक परेशानियां दूर होती हैं और जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं।

■ महाशिवरात्रि पर प्रदोष काल में पीपल के पेड़ के नीचे आटे से बने चौमुखे दीपक में सरसों का तेल डालकर जलाएं। इसके बाद 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का जप करते हुए कर्ज मुक्ति के लिए भगवान का प्रार्थना करें। ऐसा करने से कर्ज से मुक्ति मिलती है और मनोकामना पूरी होती है।

■ कर्ज या लोन से मुक्ति के लिए महाशिवरात्रि के दिन उज्जैन के ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ के दर्शन करें और उनकी पूजा करें। शनिवार के दिन की गई इस पूजा को पीली पूजा कहते हैं। इस पूजा में पीले कपड़े में पीले फूल, हल्दी की गांठ, चने की दाल और थोड़ा सा गुड़ बांधकर शिवलिंग पर अर्पित कर दें। इस पूजा के बाद व्यक्ति जल्द ही कर्ज से मुक्त हो जाता है।

■ महाशिवरात्रि के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग में शिवलिंग की विधिवत पूजा-अर्चना करें और 108 बार 'ॐ ऋण मुक्तेश्वर महादेवाय नमः' मंत्र का जप करते हुए मसूर की दाल अर्पित करें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और लोन से मुक्ति मिल जाती है।

महाशिवरात्रि की पूजा होती है विशेष, इस दिन भोलेनाथ को भूलकर भी न चढ़ाएं ये चीज

महाशिवरात्रि का पर्व का हिंदू धर्म में काफी विशेष महत्व माना जाता है। शिव भक्त इसे बड़ी धूमधाम से मनाते हैं और बाबा भोलेनाथ से आशीर्वाद पाने के लिए इस दिन व्रत रखते हैं और विधि-विधान से पूजा करते हैं। हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस बार 18 फरवरी 2023, शनिवार के दिन पर्व मनाया जाएगा।

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन
प्रदेश प्रवक्ता

महाशिवरात्रि के दिन भोलेनाथ के साथ ही माता पार्वती की पूजा भी की जाती है लेकिन आपको बता दें कि दोनों की पूजा में अलग-अलग सामग्री उपयोग की जाती है। जी हां, पंडित रमाकांत मिश्रा के अनुसार पूजा सामग्री में मौजूद कुछ चीजें जो कि माता पार्वती को चढ़ाई जाती है उनमें से कुछ चीजें भोलेनाथ को चढ़ाना वर्जित है।

शास्त्रों के अनुसार, कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है, जिन्हें शिव जी की पूजा में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। वरना शिव जी नाराज हो जाते हैं, तो आइए जानते हैं ऐसी कौन सी चीज है जो शिवलिंग पर नहीं चढ़ाना चाहिए।

1. हल्दी: आपको बता दें कि भोलेनाथ को पूजा सामग्री चढ़ाते समय इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें भूलकर भी हल्दी नहीं चढ़ाना चाहिए। क्योंकि शास्त्रों के अनुसार हल्दी स्त्रियों से संबंधित है और शिवलिंग पुरुष तत्व का प्रतीक है।

2. सिंदूर, कुमकुम या रोली: शिवलिंग पर सिंदूर, कुमकुम और रोली नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि शिव जी को संहार के देवता कहा जाता है और हिंदू धर्म में महिलाएं सिंदूर, कुमकुम को अपने पति की लंबी आयु के लिए लगाती हैं। इसलिए शिवलिंग पर सिंदूर नहीं बल्कि चंदन का तिलक करना चाहिए।

3. शंख से जल चढ़ाना: पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान शिव ने शंखचूड़ नाम के असुर का वध किया था। इसलिए शिव जी की पूजा में शंख रखना वर्जित होता है।

4. लाल रंग के फूल समेत ना चढ़ाएं ये 3 फूल: भोलेनाथ को कभी भी लाल रंग का फूल नहीं चढ़ाना चाहिए। इसके अलावा शास्त्रों के अनुसार, भोलेनाथ को कभी भी कनेर, केतकी या फिर कमल का फूल अर्पित नहीं करना चाहिए।

5. तुलसी दल: शिवजी को तुलसी दल भी अर्पित नहीं करनी चाहिए। शिवपुराण के अनुसार, जालंधर नामक असुर था और उसकी पत्नी तुलसी थी। शिव जी ने जालंधर का वध किया था, जिसके बाद से अपने पति की मौत से नाराज तुलसी ने भगवान शिव का बहिष्कार कर दिया था। इसलिए शिव पूजा में तुलसी का प्रयोग नहीं किया जाता है।

फाल्गुन में विजया एकादशी पर बन रहा शुभ संयोग, जानें इसका महत्व व पूजा विधि

विजया एकादशी भारत में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है। यह एकादशी पर्व फाल्गुन माह के 11वें दिन मनाई जाती है, जो फरवरी और मार्च के बीच आती है। यह एकादशी व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है, जिनकी विजय और सफलता के लिए इस दिन पूजा की जाती है। 'विजया' शब्द का अर्थ है जीत, और माना जाता है कि यह त्योहार उन लोगों के लिए सफलता और विजय लाता है जो इसे भक्ति के साथ मनाते हैं।

विजया एकादशी से दूर होती है बाधाएं

विजया एकादशी का व्रत यदि पूरे विधि विधान से किया जाता है तो सभी बाधाओं को दूर करने में सफलता प्राप्त होती है। धार्मिक ग्रंथों में भगवान विष्णु ने कहा है कि जो कोई भी भक्ति के साथ विजया एकादशी का पालन करेगा, उसे अपने सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी।

16 फरवरी को है विजया एकादशी

इस साल विजया एकादशी व्रत 16 फरवरी गुरुवार को हैं। हर साल यह एकादशी व्रत फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। इस दिन व्रत-उपवास के साथ ही तीर्थ जल से स्नान करने, अन्न-जल और कपड़ों का दान करने का विधान है।

विजया एकादशी पर बनेगा ये संयोग

विजया एकादशी पर इस साल यह संयोग बन रहा है कि यह व्रत गुरुवार के दिन आ रहा है। इसके बाद देवशयनी और देवउठनी एकादशी भी गुरुवार को ही रहेगी। जिससे ये दोनों दिन महापर्व हो जाएंगे। वहीं साल 2023 में ही कामिका एकादशी और रमा एकादशी भी गुरुवार को रहेगी। इस साल ऐसा संयोग कुल पांच बार बनेगा।

विजया एकादशी पर ऐसे करें भगवान विष्णु की पूजा

- गुरुवार और एकादशी के योग में भगवान विष्णु-लक्ष्मी के साथ श्रीकृष्ण की पूजा पूजा भी करनी चाहिए।
- शंख में जल और दूध मिलाकर भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण की मूर्ति पर चढ़ाते हुए अभिषेक करना चाहिए।
- भगवान को पीले फूल और तुलसी पत्र चढ़ाएं। माखन-मिश्री और मिठाइयों का भोग लगाएं।
- विजया एकादशी के दिन शुक्र उच्च राशि में, गुरु और शनि खुद की राशियों में रहेंगे। इस दिन महालक्ष्मी योग का प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में स्नान-दान, व्रत और भगवान विष्णु की पूजा से शुभ फल मिलेगा।

आचार्य संतोष भार्गव
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

बासी रोटी के इन 4 अचूक उपायों से दूर होगी आपके जीवन की आर्थिक तंगी

भारतीय ज्योतिष के अनुसार किसी भी व्यक्ति का जीवन चक्र जन्म से मृत्यु तक ग्रहों से प्रभावित रहता है। जीवन में सुख-दुख, धन-व्यय, नौकरी-व्यवसाय, शिक्षा-अशिक्षा, घर, गाड़ी, विवाह, प्रेम और घटना-दुर्घटना सभी ग्रहों से प्रभावित हैं। ग्रहों के मजबूत और उच्च होने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। ग्रहों के नीच और कमजोर होने से अशुभ फल प्राप्त होते हैं। ज्योतिष शास्त्र में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनका इस्तेमाल कर ग्रहों को शांत और मजबूत किया जा सकता है। वैदिक मान्यताओं के आधार पर रोटी से जुड़े कुछ लोकप्रिय उपाय भी प्रचलित हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली से जुड़े तमाम ग्रहों के दोषों को दूर करने के लिए रोटी से जुड़े उपाय बताए गए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वो उपाय।

बासी रोटी के उपाय

1. यदि किसी जातक की कुंडली में शनि की ढैय्या या साढ़ेसाती चल रही है, तो उसे अमावस्या या किसी भी शनिवार को दो बासी रोटी और खीर गाय को खिलानी चाहिए। बता दें कि इस उपाय से महीने में चार बार करने से शनि का प्रभाव कम हो जाएगा। आर्थिक तंगी दूर होने लगेगी।
2. यदि किसी जातक की कुंडली में राहु दोष है, तो उसे प्रतिदिन एक रोटी पर सरसों का तेल लगाकर काले कुत्ते को खिलाना चाहिए। इस उपाय से घर में सुख-शांति बनी रहती है। आर्थिक परेशानी नहीं होगी।
3. यदि आपका कोई काम पूरा नहीं हो पा रहा है। अगर आपके काम लंबे समय से अटके हुए हैं, तो ऐसे में रोजाना पांच बासी रोटी के छोटे-छोटे टुकड़े करके पक्षियों को दाने के रूप में खिलाना शुरू कर दें। ऐसा करने से नवग्रह शांत हो जाते हैं और कामयाबी कदम चूमने लगती है। इस उपाय को करने से आर्थिक लाभ होगा।
4. खाना बनाते समय एक रोटी गाय के लिए निकालें। यह रोटी गाय को खिलाने से घर में समृद्धि आती है।

जगुआर टीसीएस रेसिंग भारत में फॉर्मूला ई में डेब्यू करने के लिए तैयार

11 फरवरी 2023 को पहले ग्रीनको हैदराबाद ई प्रिक्स में मुकाबला करेगी

2023 एबीबी एफआईए फार्म्युला ई वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चार नए रेस लोकेशन में भारत का हैदराबाद पहला शहर है

हैदराबाद। आईपीटी नेटवर्क

जगुआर टीएस रेसिंग भारत में हैदराबाद की सड़कों और गलियों में पहली बार इस वीकेंड आयोजित होने वाली 2023 एबीबी एफआईए फार्मूला ई वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपनी जगुआर आई-टाइप 6 का डेब?यू करेगी। ग्रीनको हैदराबाद ई-प्रिक्स में शनिवार, 11 फरवरी को स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 3 बजे यह रेस शुरू होगी। हैदराबाद ऑल इलेक्ट्रिक वर्ल्ड चैंपियनशिप के सीजन 9 के लिए पहले 4 नए ब्रैंड न्यू रेस लोकेशंस में से एक है। इस रेस में दिल के आकार में बनी हुसैन सागर झील के तट पर 2.83 किमी के स्ट्रीट सर्किट के 32 लैप्स शामिल हैं।

जनवरी मे दिरियाह में डबल-हेडर में बेहतरीन और सकारात्मक परफॉर्मेंस के बाद ड्राइवर मिच इवांस और सैम बर्ड का लक्ष्य और ज्यादा पॉइंट्स जीतना और पोडियम पर अपनी जगह को सुरक्षित रखना है। दूसरे और तीसरे राउंड में सैम ने तीसरी और चौथी पोजीशन हासिल की। दूसरे और तीसरे राउंड में दसवें और सातवें नंबर पर आने के बाद मिच ने पॉइंट्स हासिल किए। उन्होंने तीसरे राउंड की क्वॉलिफाइंग और प्रारंभिक स्टेज पर काफी शानदार प्रदर्शन किया, जब उन्होंने पहले कार्नर से इस रेस का नेतृत्व किया था।

जगुआर टीसीएस रेसिंग ने आधिकारिक सप्लायर के रूप में AERO के साथ नई साझेदारी की घोषणा की है। पेंट इंडस्ट्री में क्रांति करते हुए, AERO ने परंपरागत कार पेंट का एक नया विकल्प पेश किया है। एयरो ने यह कार पेंट आधुनिक फिल्म बेस्ड मटीरियल तकनीक का उपयोग कर बनाया है। AERO के सेल्फ-हीलिंग फिल्म सिस्टम का इस्तेमाल जगुआर आई टाइप-6 की नई ब्लैक, व्हाइट और गोल्ड एसिमेट्रिक लिवरी पर किया गया है। यह अविश्वसनीय रुप से टिकाउ और हलके वजन की होती है। AERO की तकनीक यूरेथेन फिल्म केमिस्ट्री पर बेस्ड है, जो दूसरे कोटिंग सिस्टम की तुलना मे ज्यादा सख्ती देती है, और यह स्प्रे

से किए जाने वाले पेंट्स की तुलना में 60 फीसदी हल्की होती है।

इसके साथ ही इसमें पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुंचाने वाले लाभ हैं। AERO के प्रॉडक्ट्स से जीरो कार्बन उत्सर्जन होता है। इसमें कोई भी वोलाटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड्स (वीओसी) और पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) कंपाउंड नहीं होते। जगुआर टीसीएस रेसिंग टीम के प्रिंसिपल जेम्स बार्कले ने कहा, 'जब से 2023 के रेसिंग कैलेंडर की घोषणा हुई है, तब से हैदराबाद उन प्रमुख ट्रैक्स में से एक है, जिसे कार रेसर्स काफी उत्सुकता से देख रहे हैं। फार्मूला ई में रेस की अगली तीन लोकेशंस नई हैं। हम एक टीम के रूप में नए सर्किट की चुनौतियों का आनंद उठाने के लिए तैयार हैं। हैदराबाद हमारे ड्राइवर्स और इंजीनियर के लिए नया अवसर है।

ओला ने पोर्टफोलियो बढ़ाकर 6 मॉडल तक पहुँचाया

न्यू ओला एस1 वैरिएंट में एस1 और एस1 प्रो के समान ही अलग रेंज केवल 99,999 रु. में

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के सबसे बड़े निर्माता, ओला इलेक्ट्रिक ने अत्यधिक सफल ओला एस1 पोर्टफोलियो के विस्तार और अपनी अत्यधिक अपेक्षित ओला एस1 एयर के लॉन्च के साथ 'शीत युग' के अंत की ओर अपनी गति बढ़ाई। ओला के एस1 पोर्टफोलियो में नया 2 किलो वॉट घंटा का बैटरी पैक वैरिएंट है, जो उत्साह को और ज्यादा बढ़ा देता है। ओला एस1 एयर के भी 3 नए वैरिएंट्स की घोषणा की गई है, जिनमें क्रमशः 2 किलो वॉट घंटा, 3 किलो वॉट घंटा और 4 किलो वॉट घंटा के बैटरी पैक होंगे।

ओला के संस्थापक एवं सीईओ, भाविश अग्रवाल ने कहा, भारतीय ग्राहकों को आईसीई वाहनों के विश्वस्तरीय विकल्प उपलब्ध होने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में तेजी से उछाल आया है। प्रीमियम स्कूटर सेगमेंट में ओला एस1 और ओला एस1 प्रो के वर्चस्व के साथ भारत विश्व के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन बाजारों में से एक है। सफल एस1 पोर्टफोलियो और एस1 एयर के 3 नए वैरिएंट्स और विभिन्न मूल्य वर्गों में विस्तार से ग्राहकों को स्थायी रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने का प्रोत्साहन मिलेगा। साल 2022 शीत युग के अंत की शुरुआत था, अब साल 2023 भारत में टू-व्हीलर उद्योग का रूप बदल देगा।

हर किसी के लिए एस1

एस1 प्रो और एस1 की सफलता ने बाजार में ओला की स्थिति मजबूत कर दी है। साल 2023 में भी इसी वेग से आगे बढ़ते हुए जनवरी में ओला ने एक बार फिर 25000 से ज्यादा वाहन बेच दिए, और यह मासिक प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ माह बन गया। बेहतरीन एस1 पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए ओला के नए एस1 वैरिएंट में 2 किलो वॉट घंटा की बैटरी, 8.5 किलोवॉट की शक्तिशाली मोटर, और अन्य वैरिएंट्स के समान ही शानदार एक्सलेरेशन और परफॉर्मेंस दी है, पर इसका मूल्य पहले से ज्यादा किफायती है। इसका मूल्य 99,999 रु. है। ओला का नया एस1 वैरिएंट्स 91किलोमीटर की आईडीसी रेंज और 90 किलोमीटर/घंटा की टॉप स्पीड प्रदान करता है। नए वैरिएंट की परचेज़ विंडो तुरंत खुल गई है, जबकि इसकी डिलीवरी मार्च, 2023 से शुरू होगी। नया एस1 वैरिएंट 11 कलर पैलेट्स - गेरुआ, मैट ब्लैक, कोरल ग्लैम, मिलेनियल पिंक, पोर्सिलेन व्हाईट, मिडनाईट ब्लू, जेट ब्लैक, मार्शमैलो, एंथ्रसाईट ग्रे, लिक्विड सिल्वर, और नियो मिंट में भी उपलब्ध होगा।

जनवरी में निर्यात 6.58 फीसदी गिरा, 32.91 अरब डॉलर का रहा कुल निर्यात

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश का निर्यात जनवरी के महीने में 6.58 प्रतिशत गिरकर 32.91 अरब डॉलर पर आ गया जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 35.23 अरब डॉलर पर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय ने बुधवार को जनवरी के व्यापार आंकड़े जारी करते हुए कहा कि पिछले महीने आयात भी 3.63 प्रतिशत घटकर 50.66 अरब डॉलर हो गया। जनवरी 2021 में यह 52.57 अरब डॉलर रहा था। इस तरह जनवरी 2022 में देश का व्यापार घाटा 17.75 अरब डॉलर दर्ज किया गया। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों (अप्रैल-जनवरी) में देश का कुल वस्तु निर्यात 8.51 प्रतिशत बढ़कर 369.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि इस अवधि में आयात 21.89 प्रतिशत की उच्च वृद्धि के साथ 602.20 अरब डॉलर हो गया।

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने अपना घर अभियान शुरू किया

सही सलाह, सही साथी, सही होम लोन रकम' प्रस्ताव

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मर्यादित आय वाले एवं समाज के वंचित वर्ग के लोगों को आसान होम लोन उपलब्ध कराने के उद्देश्य के साथ आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड की हाउसिंग फाइनेंस शाखा, आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने क्ष्अपना घर अभियान शुरू किया है। इस डिजिटल अभियान का उद्देश्य ग्राहकों को अपने 'सपनों का आशियाना' बनाने के लिए प्रेरित करना है और उनकी 'सही सलाह, सही साथी, सही होम लोन रकम' पेशकश के माध्यम से हमेशा उनका समर्थन करने का विश्वास व्यक्त करना है।

यह किफायती और अनौपचारिक आवास की योजना वंचित वर्ग के ग्राहकों को उनके सपनों को पूरा करने के लिए योग्य सलाह देने के भरोसे पर आधारित है। इस प्रकार यह योजना उन्हें सही मार्गदर्शन देती है और उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार सबसे बेहतर/उपयुक्त होम लोन प्रदान करती है। खास बात यह है कि इस पेशकश के तहत, उपभोक्ता आय प्रमाण प्रस्तुत किए बिना 50 लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

इस अभियान के लॉन्चिंग पर आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के श्ञ और ण्ढ श्री पंकज गाडगिल ने कहा कि, 'हमारा निरंतर प्रयास ग्राहक की घोषित और अघोषित/अनकही जरूरतों को सुनना तथा सुविधा, सरलता और विश्वास बनाने के लिए रणनीति विकसित करना है। यह डिजिटल फिल्म बनाने का उद्देश्य आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा इसकी 'सही सलाह, सही साथी, सही होम लोन रकम' पेशकश के तहत प्रदान किए गए किफायती और अनौपचारिक हाउसिंग लोन समाधानों को प्रदर्शित करने के लिए दर्शकों के विविध समूह तक पहुंचना है। इंदौर और मदुरै में व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के लिए इस अभियान को आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस के सोशल और डिजिटल मीडिया चैनलों के साथ-साथ ध्ध्प में भी प्रसारित किया जाएगा।

मेटा ने जी20 स्टे सेफ ऑनलाइन कैंपेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझेदारी की

सेफर इंटरनेट डे पर ऑनलाइन सुरक्षा के लिए #DigitalSuraksha कैंपेन लॉन्च

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

मेटा ने जी 20 स्टे सेफ ऑनलाइन कैंपेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझेदारी की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आई मंत्रालय मंत्रालय के साथ अपनी साझेदारी के तहत, मेटा विभिन्न चैनलों के माध्यम से अलग-अलग भारतीय भाषाओं में मददगार संसाधनों का निर्माण कर उन्हें साझा करेगा। इसका मकसद ऑनलाइन सुरक्षित रहने के बारे में जागरुकता फैलाना है।

जी20 स्टे सेफ ऑनलाइन के तहत संसाधनों द्वारा कई थीम्स को कवर किया जाएगा। इसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने, हानिकारक सामग्री की रिपोर्ट करने के तरीकों, ऑनलाइन बातचीत करते समय खुद को सुरक्षित रखने के सुझावों और ऐसे बहुत सारे विषयों को शामिल किया जाएगा।

भारत एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और ऐसे समय में जब भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा है, यह रणनैतिक साझेदारी न केवल मौजूदा इंटरनेट यूजर्स की सहायता करेगी और उन्हें आवश्यक जानकारियों से सुसज्जित करेगी,बल्कि भारत में तेजी से बढ़ते नए इंटरनेट यूजर्स के लिए भी फायदेमंद होगी।

इस साझेदारी पर माईगवर्नमेंट के सीईओ, आकाश त्रिपाठी ने कहा कि, 'भारत के टेकएड संबंधी प्रधान मंत्री श्री मोदी केविज़न के अंतर्गत, हम डिजिटल को तेजी से अपनाते हुए देख रहे हैं और इस वृद्धि के साथ आसानी से उपलब्ध टूल्स एवं संसाधन तैयार करने की ज़रूरत है ताकि यूजर्स को बढ़ते साइबर अपराधों से बचाया जा सके। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय में हमने भारत की जी20 की अध्यक्षता के इस वर्ष में एक स्टे सेफ ऑनलाइन कैंपेन डिजाइन किया है और हमें खुशी है कि मेटा जैसी टेक कंपनियां गंभीर ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित समावेशी डिजिटल स्पेस का निर्माण करने के सरकार केसपने में सहयोग करने के लिए आगे आ रही हैं।'

पॉलिकैब इंडिया लिमिटेड ICC ग्लोबल इवेंट्स के लिए आधिकारिक भागीदार घोषित

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

पॉलिकैब इंडिया लिमिटेड (पॉलिकैब)), वित्त वर्ष 2022 में 122₹ अरब रुपये के समेकित कारोबार के साथ भारत की प्रमुख विद्युत सामान कंपनी ने आज अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के साथ एक आधिकारिक साझेदारी की घोषणा की। साझेदारी में 2023 के अंत तक निर्धारित सभी प्रमुख पुरुषों और महिलाओं की घ्ण वैश्विक घटनाओं के लिए पॉलिकैब का प्रायोजन शामिल होगा, जिसमें दक्षिण अफ्रीका में घ्ण महिला ऊ20 विश्व कप, यूनाइटेड किंगडम में घ्ण विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और घ्ण पुरुष क्रिकेट विश्व शामिल हैं। इस कप का आयोजन भारत में 2023 होना है।

पॉलिकैब इंडिया लिमिटेड के प्रेसिडेंट और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्री नीलेश मलानी ने कहा: 'यह पॉलिकैब के लिए बहुत गर्व की बात है, जो 60 से अधिक देशों में उपस्थिति के साथ एक प्रतिष्ठित घरेलू ब्रांड है, जो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के साथ भागीदार है। खेल दुनिया भर में लाखों प्रशंसकों के लिए एक जुनून है और उसी दर्शन से प्रेरित होने के नाते, हम पॉलिकैब में अपने ग्राहकों के जुनून के माध्यम से जुड़ने के महत्व को समझते हैं। हम क्रिकेट को समर्थन देने के लिए आईसीसी के साथ साझेदारी करके खुश हैं और साथ मिलकर हम अपने संरक्षकों के लिए एक यादगार अनुभव बनाएंगे।

आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी श्री अनुराग दहिया ने कहा: 'हमें यह पुष्टि करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि 2023 के अंत तक पॉलिकैब आईसीसी की घटनाओं के लिए एक आधिकारिक भागीदार होगा। हम अपने आगामी आयोजनों में उनके साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं, क्योंकि हम अपने खेल का आनंद लेने वाले ज्यादा प्रशंसकों को विजन प्रदान करते हैं।

रियलमी ने भारत में पेश किया 10 प्रो 5 जी कोका-कोला एडिशन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भरोसेमंद स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने विश्व प्रसिद्ध सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड कोका-कोला के साथ साझेदारी की है जिसके अंतर्गत इसने सबसे बेहतरीन स्मार्टफोन रियलमी 10प्रो 5जी कोका-कोला एडिशन बनाया है यह लिमिटेड एडिशन स्मार्टफोन 8जीबी+128जीबी वैरिएंट में है और इसका मूल्य 20,999रु. है इस साझेदारी द्वारा टेक्नॉलॉजी और लाईफस्टाईल का संगम होकर ग्राहकों के लिए बेहतरीन और मनोरंजक अनुभव का निर्माण हुआ है।

इस गठबंधन के बारे में श्री माधव सेठ, सीईओ, रियलमी इंडिया, वीपी, रियलमी, एवं प्रेसिडेंट, रियलमी इंटरनेशनल बिज़नेस ग्रुप ने कहा, ''रियलमी में हम हमेशा अपने ग्राहकों को अद्वितीय और आधुनिक अनुभव प्रदान करने के नए तरीके खोजते रहते हैं, और कोका-कोला के साथ हमारा गठबंधन उसी ओर एक कदम है। पिछले सालों में दोनों ब्रांड्स सकारात्मकता और खुशी प्रदान करने के एक समान उद्देश्य के लिए काम करते रहे हैं, और लोगों की जिंदगियों में मूल्य और सकारात्मक प्रभाव छोड़ते आए हैं। हमारी नई पेशकश रियलमी 10 प्रो 5जी कोका-कोला संस्करण दोनों ब्रांड्स की प्रकृति को प्रदर्षित करता है, और किफायती मूल्य में प्रस्तुत डिज़ाईन व फंक्षनलिटी का एक उत्कृश्ट उदाहरण है। हमें विश्वास है कि यह गठबंधन इन दोनों को नए बाजारों में पहुँचने में मदद करेगा और हमारे यूज़र्स को नए व अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा।'' इस स्मार्टफोन का रियर डिज़ाईन कोका-कोला में रेड एवं ब्लैक के क्लासिक तत्वों से प्रेरित है। तीन ब्लैक और सात रेड बिंदु 70ॅ30 के असमतल बैक डिज़ाईन में कोका-कोला लोगो को उभारते हैं। कोक रेड सकारात्मक और जोशीला माहौल प्रदान करता है, जो युवाओं के लाईफस्टाईल के अनुरूप है। क्रॉप किए गए कोका-कोला लोगो से इसके क्लासिक लोगो में एक अनूठे ट्विस्ट के साथ स्मार्टफोन के अनुभव को एक नई अपील मिलती है।

टाटा मोटर्स ने पश्चिम बंगाल सरकार को 218 विंगर वेटरनेरी वैन्स की डिलीवरी की

विभिन्न फीचर्स से लैस और कस्टमाइज्ड विंगर का इस्तेमाल

कोलकाता। आईपीटी नेटवर्क

वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली भारत की अग्रणी कंपनी टाटा मोटर्स ने पश्चिम बंगाल सरकार को 218 विंगर वेटरनेरी वैन्स की डिलीवरी की है। इन वाहनों को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पश्चिम बंगाल सरकार के माननीय पशु संसाधन विकास मंत्री श्री स्वपन देबनाथ ने हरी झंडी दिखाई।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार और टाटा मोटर्स के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। विशेष रूप से कस्टमाइज की गई टाटा विंगर का इस्तेमाल पशु संसाधन विकास विभाग द्वारा पशुओं और मवेशियों के कल्याण के लिये किया जाएगा। सरकारी निकाय के नियमों और शर्तों के अनुसार टाटा मोटर्स शीर्ष बोलीकर्ता बनकर उभरी और इसने अत्याधुनिक खूबियों से लैस फुली-बिल्ट विंगर वेटरनेरी वैन्स के बेड़े की डिलीवरी की।

ई-बिडिंग की प्रक्रिया सरकारी ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से हुई थी। इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए, श्री विनय पाठक, वाइस प्रेसिडेंट, प्रोडक्ट लाइन-एससीवी, पीयू एण्ड वैन्स, टाटा मोटर्स, ने कहा, 'पशु स्वास्थ्यरक्षा परिवहन को बेहतर बनाने की दिशा में टाटा मोटर्स की मजबूत प्रतिबद्धता के साथ, हम पश्चिम बंगाल सरकार को 218 विंगर वेटरनेरी वैन्स की डिलीवरी करके खुश हैं। हम पूरे राज्य में पशु-चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के सरकार के विज़न के साथ जुड़कर प्रसन्नता हो रही है। टाटा विंगर के वर्सेटाइल प्लेटफॉर्म पर बनी यह वेटरनेरी वैन राज्य में सुगम परिचालन को आसान बनाने के लिये तैयार की गई हैं।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।